राम नाम के हीरे मोती ....

राम–नाम के हीरे–मोती, मैं बिखराऊँ गली–गली ।
ले लो रे कोई राम का प्यारा, शोर मचाऊँ गली–गली ।।
माया के दीवाने सुन लो, एक दिन ऐसा आएगा ।
धन–दौलत और माल–खजाना, यहीं पड़ा रह जाएगा ।
सुंदर काया मिट्टी होगी, चर्चा होगी गली–गली ।।
राम–राम के ....

क्यों करता है मेरा–मेरी, यह तो तेरा मकान नहीं ।
झूठे जग में फँसा हुआ है, वह सच्चा इंसान नहीं ।
जग का मेला दो दिन का है, अंत में होगी चला–चली ।।
राम–नाम के ....

जिन–जिन ने यह मोती लूटे, वो तो माला–माल हुए ।
धन–दौलत के बने पुजारी, आख़िर वो कंगाल हुए ।
चाँदी–सोने वालों सुनलो, बात सुनाऊँ खरी–खरी ।।
राम–नाम के ....

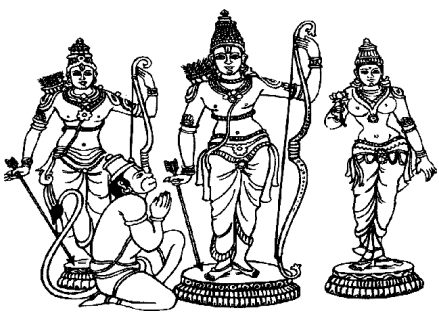

निंदक नियरे राखिये, आंगन कुटि छवाय।
बिन पानी साबुन बिना, निर्मल करे स्वभाव।।